3 मात्राएँ, शब्द और वाक्य

Vowel Signs, Word and Sentence

त् + ओ + त् + आ ⟶ तोता

ज् + ओ + क् + अ + र् + अ ⟶ जोकर

जो चिह्न व्यंजनों के साथ जुड़कर नए शब्द बनाते हैं, उन चिह्नों को मात्रा कहते हैं। ये चिह्न स्वरों के होते हैं। जब ये चिह्न व्यंजनों के साथ जुड़ते हैं, तो इन्हें मात्राएँ कहा जाता है। ऊपर दिए गए चित्रों को ध्यानपूर्वक देखिए इनमें तोता शब्द में (ओ, आ) मात्राओं को लाल रंग से दिखाया गया है। जब ये व्यंजन त् के साथ जुड़े तो इन्हें मात्रा का नाम दिया गया। दूसरे उदाहरण में जोकर शब्द में (ओ, अ, अ) मात्राओं को लाल रंग से दिखाया गया है। जब ये व्यंजन (ज्+क्+र्) के साथ जुड़े तो इन्हें मात्रा का नाम दिया गया।

इस आधार पर हम कह सकते हैं कि–

प्रत्येक स्वर का एक चिह्न होता है, जिसे मात्रा कहते हैं।

स्वर मूल रूप से 'व्यंजन' रहित होते हैं। 'अ' स्वर के मिलने से इसका रूप पूरा होता है। शब्द बनाते समय स्वरों को मात्रा के रूप में लिखा जाता है।

वर्णों का ऐसा समूह जिसका अर्थ होता है, शब्द कहलाता है।

व्यंजन के साथ स्वर को मिलाने के लिए मात्रा को जोड़ा जाता है। स्वरों की मात्राएँ निम्न प्रकार से लगाकर शब्द बनाए जाते हैं–

स्वर	मात्रा	व्यंजन + स्वर =	शब्द
अ	–	क् + अ = क	कमल, कलश
आ	ा	क् + आ = का	कान, कार
इ	ि	क् + इ = कि	किताब, किसान
ई	ी	क् + ई = की	कीड़ा, कीमत
उ	ु	क् + उ = कु	कुल, कुम्हार
ऊ	ू	क् + ऊ = कू	कूदना, कूटना

Scanned with CamScanner

स्वर	मात्रा	व्यंजन + स्वर =	शब्द
ऋ	ृ	क् + ऋ = कृ	कृपा, कृषक
ए	े	क् + ए = के	केला, केसर
ऐ	ै	क् + ऐ = कै	कैलाश, कैसा
ओ	ो	क् + ओ = को	कोमल, कोयल
औ	ौ	क् + औ = कौ	कौआ, कौन

र के साथ उ और ऊ की मात्रा नीचे न लगाकर बीच में लगाते हैं, जैसे–

र् + उ → रु → रुपया, गुरु, रुई, रुकना, रुपहला

र् + ऊ → रू → रूप, रूमाल, ज़रूर, अमरूद, रूठना

वाक्य–जब दो या दो से अधिक शब्द मिलते हैं और उनका अर्थ होता है, तो वाक्य बनता है।

जैसे– राम + बाज़ार + जाता + है ⟶ राम बाज़ार जाता है।

इन्हीं शब्दों को यदि आगे पीछे कर दिया जाए तो इनका अर्थ स्पष्ट नहीं हो पाता। जैसे– है जाता बाज़ार राम। इसलिए वाक्य बनाने के लिए शब्दों को क्रम में रखना भी ज़रूरी है।

व्यवस्थित क्रम में अर्थ वाले शब्दों का मेल, वाक्य कहलाता है।

Scanned with CamScanner